पाठ 20. नया तराना

पाठ का परिचय

बच्चे कह रहे हैं कि वे नया गीत गाएँगे। कोई भी उन्हें छोटा न समझे। समय आने पर कभी-कभी राई भी पर्वत के समान हो जाती है। अर्थात छोटा बच्चा भी बड़ों के जैसा काम कर गुज़रता है। बच्चे आपस में हिल-मिलकर हर कठिनाई को दूर करने का वादा कर रहे हैं। उन्हें अपने ऊपर अपार विश्वास है। वे कहते हैं कि सूरज में तेज और चाँद में जो उजियारा है वह उन्हीं की बदौलत है। वे ऐसे-ऐसे काम करने में समर्थ हैं जो असंभव हैं। वे दावा करते हैं कि उन्हें किसी से डर नहीं लगता। वे निर्भय होकर आगे बढ़ते रहेंगे और सामने आने वाले हर दुश्मन को मार भगाएँगे।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

अपने-आप को छोटा समझकर कभी डरना नहीं चाहिए। आने वाली हर कठिनाई का सामना करना चाहिए। हर व्यक्ति के भीतर असीम ताकत होती है। वह बहुत कुछ कर सकता है। जीवन में हमेशा आगे ही आगे बढ़ते चले जाना चाहिए।

पाठ का वाचन

पहले अध्यापक/अध्यापिका स्वयं कविता का आदर्श वाचन करें। कविता को पूरी लय के साथ गाया भी जा सकता है। बच्चों से कविता पाठ करवाया जाए। पहले सामूहिक रूप से, फिर व्यक्तिगत रूप से कविता पाठ कक्षा में करवाया जाए। अब कविता की एक-एक पंक्ति पढ़कर बच्चों को उसका अर्थ समझाते हुए कविता पाठ किया जाए।

महत्वपूर्ण चर्चा

निम्नलिखित प्रश्न पूछकर बच्चों से कक्षा में चर्चा करें –

- नया गीत कैसे गाया जा सकता है?
- राई पर्वत के समान किस प्रकार बन जाती है?
- सूरज में तेज और चंदा में उजियारा कैसे आता है?
- हिम्मत के साथ आगे बढ़ते हुए क्या-क्या काम किए जा सकते हैं?
- बच्चों को देश का भविष्य क्यों कहा जाता है?